"सच्ची खोज अच्छी खबर"

ज्ञान सरोवर

1400 वर्ष पहले जिनके 5 गांव नहीं थे आज उनके 57 देश हैं... ! ये चमत्कार कैसे हुआ? जानने के लिए काश्मीर, केरल और बंगाल देख लो... !!

R.N.I.Reg.No.MAHHIN/2009/27377 (हिन्दी साप्ताहिक) डाक पंजीकरण संख्या- MH/MR/North East/237/2012-14

वर्ष : 17 अंक : 29 (प्रत्येक गुरूवार) मुम्बई, 11 सितम्बर से 17 सितम्बर, 2025 पृष्ठ : 8 मूल्य : 2.00 रूपये

अपोलो ने स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए उठाया महत्वाकांक्षी कदम

2050 तक देश की वृद्ध आबादी 31.9 करोड़ तक बढेगी

नवी मुंबई: अपोलो हॉस्पिटल्स नवी मुंबई (AHNM) ने आज अपने सीनियर्स फर्स्ट जेरियाट्रिक्स क्लिनिक के शुभारंभ की घोषणा की। मरीज़ों की ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए यह एक स्पेशलाइज्ड़ सेवा शुरू की गयी है। वरिष्ठ नागरिकों की विशिष्ट स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इसे डिज़ाइन किया गया है। इस क्लिनिक का नेतृत्व अपोलो हॉस्पिटल्स नवी मुंबई में जेरियाट्रिक्स में कंसल्टेंट, डॉ सयाली दामले और डॉ श्वेत सबनीस करेंगे। एक ही छत के नीचे निवारक, रिहैबिलिटेशन और दीर्घकालिक देखभाल सहायता के साथ–साथ निरंतर देखभाल भी उपलब्ध होगी, चाहे वह अस्पताल में हो या घर पर। अपोलो हॉस्पिटल्स ने एक डेडिकेटेड हेल्पलाइन नंबर 75–9696–9494 भी शुरू किया है, जो वरिष्ठ नागरिकों के लिए किसी भी स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकता के लिए उपयोग में लाया जा सकता है। भारत की आबादी में एक बड़ा परिवर्तन हो रहा है। अनुमान है कि 2050 तक देश की वृद्ध आबादी 31.9 करोड़ तक बढेगी लगभग हर पाँच भारतीयों में से एक वरिष्ठ नागरिक होगा। आज, लगभग चार में से तीन वरिष्ठ नागरिक, कम से कम एक पुरानी बीमारी से ग्रस्त हैं, जबकि लगभग आधे लोग हिलने–डुलने या चलने–फिरने में समस्याओं का सामना कर रहे हैं। फिर भी, वृद्धावस्था में विशेष देखभाल तक पहुँच दुर्लभ है, देश में प्रशिक्षित वृद्धावस्था विशेषज्ञ 100 से भी कम हैं, जबकि अनुमान है कि आवश्यकता हज़ारों की है।

अपोलो हॉस्पिटल्स नवी मुंबई का जेरियाट्रिक्स क्लिनिक वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य के हर पहलू को कवर करते हुए सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करेगा। इसमें वृद्धावस्था का व्यापक मूल्यांकन, पुरानी बीमारी का प्रबंधन, गिरने और कमज़ोरी को रोकने के लिए कार्यक्रम, हिलने–डुलने, चलने– फिरने और संतुलन का प्रशिक्षण, पोषण और आहार परामर्श, संज्ञानात्मक स्वास्थ्य सहायता और मानसिक कल्याण सेवाएँ शामिल हैं।

वरिष्ठ नागरिकों को ऑपरेशन के बाद की देखभाल, फिजियोथेरेपी और रिहैबिलिटेशन, और अस्पताल में आना–जाना सुलभ हो इसके लिए कंसीयज सहायता भी उपलब्ध होगी। अपोलो होमकेयर और अपोलो 24/7 के साथ मिलकर, नर्सिंग देखभाल, फिजियोथेरेपी, डायग्नोस्टिक्स और दवा प्रबंधन जैसी आवश्यक सेवाएँ अस्पताल के बाहर भी उपलब्ध होंगी, जिससे वरिष्ठ नागरिकों और उनके परिवारों के लिए सहायता का एक निर्बाध चक्र बना रहेगा।

ट्रंप टैरिफ से प्रभावित बिजनेस के लिए पैकेज का होगा एलान, निर्मला सीतारमण ने बताया सरकार का प्लान

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि अमेरिकी की ओर से भारतीय उत्पादों पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ से प्रभावित निर्यातकों के लिए सरकार एक समग्र पैकेज पर काम कर रही है। साथ ही भारतीय निर्यात पर टैरिफ के प्रभाव का आकलन करने के लिए कई विभागों के बीच संवाद चल रहा है। एक साक्षात्कार में सीतारमण ने बताया कि विभिन्न उद्योग संबंधित विभागों या मंत्रालयों के साथ प्रभाव साझा कर रहे हैं, क्योंकि टैरिफ का दूसरा भाग (25 प्रतिशत) 27 अगस्त से लागू हो गया है।

उन्होंने कहा कि हम उनके इनपुट प्राप्त कर रहे हैं। कुछ ऐसा किया जा रहा है जिससे उन निर्यातकों की मदद की जा सके जो 50 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ से प्रभावित हुए हैं। जब तक हमें आकलन नहीं मिल जाता, हम यह कैसे मान सकते हैं कि प्रभाव कितना होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय आयात पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है, जो दुनिया में सबसे ज्यादा टैरिफ में शामिल हैं। इसमें रूस से कच्चा तेल खरीदने पर 25 प्रतिशत का जुर्माना भी शामिल है। इस शुल्क से भारत के कपड़ा व वस्त्र, रत्न एवं आभूषण, झींगा, चमड़ा और जूते, पशु उत्पाद, रसायन, तथा विद्युत एवं यांत्रिक मशीनरी उत्पादों के प्रभावित होने की संभावना जताई जा रही है। फार्मा, ऊर्जा उत्पाद और इलेक्ट्रॉनिक सामान जैसे क्षेत्र इन शुल्कों के दायरे से बाहर हैं। वित्त वर्ष 2024–25 में भारत के 437.42 अरब डॉलर के कुल वस्तु निर्यात में अमेरिका की की 20 प्रतिशत हिस्सेदारी थी।

वैश्विक व्यापार चुनौतियों को अवसर में बदलने की जरूरत: राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि भारत को वैश्विक व्यापार चुनौतियों को नए अवसरों में बदलने के लिए अपनी असाधारण क्षमताओं का लाभ उठाना चाहिए। मुर्मू ने इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (ईईपीसी) के प्लैटिनम जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले सात दशक में भारत के इंजीनियरिंग निर्यात गंतव्यों में उल्लेखनीय बदलाव आया है। राष्ट्रपति ने कहा कि ईईपीसी को परिवर्तन की इस प्रक्रिया को जारी रखना चाहिए और 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए काम करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा, "हमारे देश में उपलब्ध असाधारण क्षमताओं का उपयोग करके वैश्विक व्यापार की चुनौतियों को अवसरों में बदलने की

आवश्यकता है।" राष्ट्रपति ने कहा कि कम लागत पर उच्च गुणवत्ता वाली इंजीनियरिंग सेवाएं और उत्पाद भारत की एक बड़ी ताकत हैं। पिछले 10 साल में, भारत का इंजीनियरिंग निर्यात 70 अरब डॉलर से बढ़कर 115 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। मुर्मू ने कहा कि पिछले दशक में अंतरराष्ट्रीय व्यापार क्षेत्र में कई चुनौतियां रही हैं, इसको देखते हुए निर्यात में यह वृद्धि और भी प्रभावी लगती है। राष्ट्रपति ने कहा कि ईईपीसी ने अंतरराष्ट्रीय बाजार और भारतीय उत्पादकों के बीच एक सेतु का काम किया है। उन्होंने ईईपीसी से वैश्विक मूल्य श्रृंखला में भारत की भूमिका का निरंतर विस्तार करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि विश्व व्यापार और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था में हो रहे बदलावों के कारण, ईईपीसी की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। आर्थिक क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पक्ष होने के नाते, ईईपीसी को और भी दृढ़ संकल्प के साथ कार्य करना चाहिए। मुर्मू ने कहा, "दुनिया की बड़ी–बड़ी कंपनियों के वैश्विक क्षमता केंद्र भारत में हैं। ईईपीसी से जुड़े पक्षों को उचित प्रोत्साहन और एक परिवेश उपलब्ध कराके भारत को एक वैश्विक नवोन्मेष केंद्र बनाने के विचार के साथ आगे बढ़ना चाहिए। नवोन्मेषी अर्थव्यवस्थाएं दुनिया में सबसे अधिक प्रतिस्पर्धी और समृद्ध हैं। उन्होंने ईईपीसी के सभी पक्षों से देश में उपलब्ध प्रतिभा और ऊर्जा के लिए एक अनुकूल परिवेश प्रदान कर भारत को एक अग्रणी नवोन्मेषी अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प लेकर आगे बढ़ने का आग्रह किया।

अराजकतत्वों ने बुढ़वा बाबा के नाम से प्रसिद्ध संत की मूर्ति को तोड़ा

अंबेडकर नगर सम्मनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत असमानपट्टी गांव के समीप स्थित एक प्राचीन बुढ़वा बाबा के नाम से फेमस देव स्थल पर बुढ़वा बाबा की प्रतिमा को कुछ अराजक तत्वों ने बीती रात्रि को क्षतिग्रस्त कर दिया, सूचना मिलते ही सम्मनपुर थाना अध्यक्ष दिनेश कुमार सिंह द्वारा पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर जांच पड़ताल की गई, अराजक तत्वों के खोजबीन में जुटी पुलिस, वही ग्रामीणों ने बताया कि इस देवस्थली पर तरह–तरह के शराबी वह नशेड़ी रात्रि में घूमते दिखाई देते हैं, क्षतिग्रस्त मूर्ति की मरम्मत के लिए कारीगर द्वारा कार्य जारी है। थाना अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने अराजकतत्वों और देवस्थली पर घूमने वाले नशेड़ियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की कही बात।

अयोध्या दीपोत्सव में बनेगा नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड, 26 लाख से अधिक दीपों से जगमगाएगी रामनगरी

लखनऊ (संवाददाता)। रामनगरी अयोध्या में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की तैयारी की जा रही है। पर्यटन विभाग द्वारा सरयू तट, राम की पैड़ी सहित अन्य घाटों पर दीयों की शृंखला से अलौकिक दृश्य प्रस्तुत किया जाएगा। रामनगरी का दीपोत्सव एक बार फिर अपना ही रिकॉर्ड तोड़ेगा। पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि विभाग की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। अयोध्या में 2017 से भव्य और दिव्य दीपोत्सव मनाया जा रहा है। इसे बरकरार रखते हुए दीपोत्सव में भी सरयू नदी पर सबसे बड़े दीप जलाने व सबसे बड़े आरती समारोह का आयोजन होगा। इस वर्ष 26 लाख से अधिक दीयों के साथ गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की तैयारी है। उन्होंने बताया कि दीपोत्सव केवल अयोध्या के सांस्कृतिक वैभव को ही नहीं, बल्कि विश्व स्तर पर इसकी पहचान को और मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद दूसरे दीपोत्सव को भव्यता और दिव्यता से मनाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। राम की पैड़ी सहित अन्य घाटों पर इस बार 26 लाख से अधिक दीयों को जलाकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया जाएगा। वहीं सरयू तट पर अब तक की सबसे बड़ी आरती का आयोजन भी होगा, जिसमें 1100 से अधिक धर्माचार्य, संत–महात्मा और नगरवासी शामिल होंगे। आयोजन से तीन दिन पहले से स्थल पर तैयारी शुरू होगी। गिनीज मानकों के अनुसार डिजाइन आदि से संबंधित समन्वय स्थापित किया जाएगा। इस दौरान छात्र–स्वयंसेवक गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए सहयोग करेंगे। स्वयंसेवक गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के मानकों के अनुरूप दीयों की सजावट, दीये जलाने, गिनती और सत्यापन की जिम्मेदारी निभाएंगे। दीपोत्सव के लिए पर्यटन विभाग, जिला प्रशासन, अवध विश्वविद्यालय और अन्य संस्थाओं के साथ लगातार समन्वय कर रहा है। प्रमुख सचिव पर्यटन व संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम ने कहा कि दीपोत्सव हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराओं को दिखाता है। इस साल अयोध्या में आयोजित दीपोत्सव को पिछले वर्षों की तुलना में और अधिक भव्य बनाने की तैयारियां की जा रही है।

बहन के प्रेमी को भाई ने डंडे से पीटकर की हत्या, पुलिस के सामने सरेंडर

मुंबई। मुंबई के मालवणी इलाके से एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहां 21 वर्षीय युवक ने अपनी बहन के प्रेमी की डंडे से पीट–पीटकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने खुद मालवणी पुलिस स्टेशन पहुंचकर अपराध कबूल किया और पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे 11 सितंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस के मुताबिक मृतक का नाम नितिन सोलंकी (40) है, जो एक अस्पताल में केयरटेकर का काम करता था। सोलंकी के आरोपी की बहन के साथ संबंध थे। सोलंकी पर आरोप है कि हाल ही में उसने कथित तौर पर आरोपी की मां और बहन के चरित्र को लेकर अपमानजनक टिप्पणी की थी। शनिवार रात करीब 10:30 बजे आरोपी आशीष शेट्टी (21) जोगेश्वरी में नितिन सोलंकी से मिला। दोनों ने साथ बैठकर शराब पी। इसके बाद, अगली सुबह आशीष उसे मालवणी ले आया और कृष्णा आश्रम, कोलीवाड़ा, रामेश्वर गली के पास कमरा नंबर 1 में लेकर गया। वहां गुस्से में आकर उसने लकड़ी के डंडे से सोलंकी पर बेरहमी से हमला कर दिया। हमले के दौरान सोलंकी गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद मालवणी पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और सोलंकी को कांदिवली के शताब्दी अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल की गई लकड़ी जब्त कर ली है। शव को पोस्टमार्टम के बाद परिवार को सौंप दिया गया। मालवणी पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी आशीष शेट्टी ने खुद थाने पहुंचकर कबूल किया कि उसने नितिन सोलंकी की हत्या की है। इस मामले में आशीष शेट्टी के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच की जा रही है।

पंजाब में 'जिसका खेत, उसका रेत्य नीति लागू, 20 हजार रुपए प्रति एकड़ मिलेगा मुआवजा, पंजाब कैबिनेट ने बड़े फैसलों पर लगाई मुहर

चंडीगढ़। पंजाब के कई जिलों में आई बाढ़ को लेकर पंजाब कैबिनेट की अहम बैठक हुई। मीटिंग सीएम रिहायश पर हो रही है, जिसमें मुख्यमंत्री भगवंत मान अस्पताल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए हैं। इस बैठक में बाढ़ प्रभावित किसानों के लिए सीएम मान ने बड़े ऐलान किए है। सीएम मान ने कहा कि सरकार नई पॉलिसी के तहत जिसकी खेत, उसकी रेत नीति लागू करने जा रही है, जिसके तहत किसानों को अपने खेतों से रेत निकालने की अनुमति होगी और उसका मालिकाना हक भी उन्हीं के पास रहेगा। इसके साथ ही सीएम ने बाढ़ में जान गवाने वालों के परिवार की मदद के लिए भी हाथ बढ़ाए है। बाढ़ में मरने वालों को सरकार ने 4 लाख रुपए देने का ऐलान किया है। इसके अलावा 20 हजार रुपए प्रति एकड़ मुआवजा देने का ऐलान भी किया है।

कुछ महीने पहले बसखारी बाजार में अपने घर वालों से तंग आकर एक युवक ने किया था आत्महत्या,, मृतक की पत्नी ने लगाया था गंभीर आरोप

खबर चलने के बाद मृतक के आरोपित भाई ने पत्रकार के ऊपर दबाव डालने के लिए, कोर्ट को भी गुमराह कर, फर्जी मुकदमा लिखाने का किया प्रयास

अंबेडकरनगर। बसखारी थाना क्षेत्र के अंतर्गत ही बसखारी बाजार में कुछ महीने पहले एक युवक जिसका नाम मंजीत सोनी ने घर वालों से प्रताड़ित होकर आत्महत्या कर लिया था,, जिसकी विधवा पत्नी ने प्रशासन का दरवाजा खटखटाया, उचित न्याय न मिलने के बाद पीड़ित महिला ने लिया पत्रकार का सहारा, पत्रकार द्वारा निष्पक्ष तरीके से पीड़ित महिला को न्याय दिलाने के लिए सोशल मीडिया पर खबर को प्रसारित किया गया, खबर के चलते ही मृतक के घर वालों में खलबली मच गई , जिससे आक्रोश में आकर मृतक के भाई अमित सोनी द्वारा पत्रकार के ऊपर दबाव डालने के लिए एक मनगढ़ंत कहानी गडकर कोर्ट में मुकदमा दर्ज करने के लिए एक तहरीर दिया गया, जिससे सिद्ध होता है कहीं ना कहीं आत्महत्या के पीछे पीड़ित महिला द्वारा लगाया गया आप कहीं ना कहीं सिद्ध होता दिखाई दे रहा है, जल्द ही पत्रकार द्वारा दी जाएगी तहरीर।

भारत जैन महामंडल दक्षिण मुंबई ब्रांच का क्षमापना एंव तपोनुमोदना कार्यक्रम सम्पन्न

मुंबई के श्री ब्रज मंडल बेंक्वेट मे 7 सितम्बर 2025 को दोपहर मे भारत जैन महामंडल दक्षिण मुंबई ब्रांच के अध्यक्ष दिपेश जैन के नेतृत्व मे क्षमापना (मिच्छामी डुक्कडम) और तप की अनुमोदनार्थ कार्यक्रम बडे ही शानदार तरीके से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के शुभारंभ पर मंच संचालक देवेन्द्र हरणेशा ने शाखा सचिव कंचन ललवाणी निर्वतमान अध्यक्ष रमेश जैन वर्तमान अध्यक्ष दिपेश जैन कार्यक्रम के मुख्य अतिथी जस्टिस के.के. तातेड (निवृत) मुख्य वक्ता विक्की सर को आंमत्रित कीया। सभी ने अपना स्थान ग्रहण कीया। नवकार मंत्र के लिए जया जैन को आंमत्रित कीया। नवकार महामंत्र के स्मरण से कार्यक्रम का शुभारंभ कीया गया। शाखा अध्यक्ष दिपेश जैन ने मुख्य अतिथी, मुख्य वक्ता, सभी पुर्व अध्यक्षो, सभी पदाधिकारीगणो और उपस्थित सभी सदस्यगणो का स्वागत करते हुए अंभीनदंन कीया और समय पर कार्यक्रम मे पधारे इसके लिए धन्यवाद दिया।

मुख्य अतिथी जस्टिस के.के. तातेड (निवृत) ने अपने संबोधन मे कहा की जैन धर्म का सबसे बडा महत्व है वो जीव दया का। अपने द्वारा की गई भुलो की क्षमा मांगना सबसे कठिन काम है लेकिन जैन धर्म सिखाता है क्षमा विरस्य भुषणम। क्षमा वीरो का आभुषण है। मुख्य वक्ता विक्की सर ने तप की महत्वता समझाते हुए कहा की तप करना इतना आसान नही है। जीवास्वाद छोडना बडा कठिन है। जो तप करते है वो धन्य है। जीवरासी सात लाख सुत्र के माध्यम से चौरासी लाख जीवो योनी के सभी जीवो से क्षमा मांगने का महत्व समझाया।

कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए भारत जैन महामंडल दक्षिण मुंबई ब्रांच के पुर्व अध्यक्षो, पदाधिकारीगणो ने अथक मेहनत की जिससे कार्यक्रम जबरदस्त सफल हुआ इसके लिए सभी अंभीनदंन के पात्र है और सबकी अनुमोदना है।

मुख्य अतिथी न्याय मुर्ति श्री के.के. तातेड जी (निवृत) और मुख्य वक्ता श्री विक्की जी सर ने अपना अनमोल समय निकालकर पधारे जिससे कार्यक्रम की आन बान शान बढ गई। चार्तुमास एंव पर्वाधिराज पर्युषण पर्व मे अपने जीभ का स्वाद छोड कर तपाराधना करने वाले अनमोल तपस्वीरत्न पधारने से सोने मे सुहागा हो गया और भारत जैन महामंडल दक्षिण मुंबई ब्रांच ने तपस्वीरत्नो की अनुमोदना करने

से गौरवांवित हुआ। भारत जैन महामंडल दक्षिण मुंबई ब्रांच के सभी सदस्यो की उपस्थिति से जिन शासन की शोभा मे अभीवृद्धी हुई। कार्यक्रम मे पधारे सभी का शाखा सचिव श्रीमती कंचन ललवाणी ने सभी का मनःपूर्वक आभार प्रकट कीया और आशा व्यक्त की जिस तरह से अब तक सबका साथ सहकार मिला है वैसा ही साथ सहकार सदैव मिलता रहेगा।कार्यक्रम का सफल संचालन कार्यकारीणी के सदस्य श्री देवेन्द्र जी हरणेशा ने अपने अनोखे अंदाज मे करते हुए सबका मन मोह लिया। यह जानकारी शाखा के विशेष आंमत्रित सदस्य मंगलचंद सेठ ने दी।

एसपी ग्रामीण आतिश कुमार सिंह को किया सम्मानित

जौनपुर संवाददाता। जौनपुर एसपी ग्रामीण आतिश कुमार सिंह को उत्कृष्ट कार्य, कर्तव्य निष्ठा और ग्रामीण क्षेत्र में कानून व्यवस्था को सुदृढ बनाए रखने हेतु प्रशस्ति पत्र देकर न्यूज भारत 24 चैनल परिवार ने सम्मानित किया है । इस अवसर पर चैनल के मुख्य सम्पादक एवं राष्ट्रीय संरक्षक साहित्यकार संजय कुमार

पांडेय 'सरस', एडीटर–चीफ रवि दीक्षित , वरिष्ठ पत्रकार रोहित दुबे , एवं महेश शर्मा उपस्थित रहे ।साहित्यकार पत्रकार संजय कुमार पांडेय 'सरस' ने उन्हें मृदुभाषी , सरल स्वभाव और बहुआयामी व्यक्तित्व का धनी बताया उन्होंने अपराध नियंत्रण में बडे काम किये और जनता का विश्वास भी जीता । एडिटर इन चीफ रवि दीक्षित ने उन्हें ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी बताया। उन्होंने समाज के हर वर्ग का सम्मान करते हुए जनता के दिलों में स्थान बनाया । इस मौके पर न्यूज भारत 24 परिवार की तरफ से सम्मान पत्र भेट किया गया।वे सदैव पुलिस और समाज के बीच संवाद की एक मजबूत कडी बनकर लोकसेवा की मिसाल पेश की है। सभी ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना और उनके कार्यों की सराहना की ।

मुलुंड में गणेश विसर्जन में दिखी हिन्दू मुस्लिम एकता

13हजार श्रद्धालुओं को बांटा गया वड़ा पाव एवं शरबत

मुंबई– मुलुंड में रज्जाक भाई शेख ने गणेश विसर्जन के दौरान केशव पाड़ा के सामने, पी के रोड़ पर स्थित अपने कार्यालय पर 13 हजार गणेश भक्तों को वड़ा पाव एवं शरबत का वितरण कर भाई चारे एवं हिन्दू मुस्लिम एकता की अद्भुत मिसाल पेश किया है। इस अवसर पर मुंबई कांग्रेस के कार्याध्यक्ष चरण सिंह सप्रा,मा. उपाध्यक्ष डॉ. बाबूलाल सिंह,सचिव किशोर मुंडेकल,शिवसेना नेता प्रमोद धुरी, दिनेश जाधव, बी जे पी नेता विनोद कांबले, युवा नेता

डॉ.सचिन सिंह, बृजेश सिंह ने भी उपस्थित होकर वड़ापाव एवं शरबत का वितरण किया।

यह कार्यक्रम विगत 13 वर्षो से स्व. मनोहर भाई मोनानी एवं हिमांशु भाई मोनानी के आशीर्वाद एवं सहयोग से चल रहा है स इस कार्यक्रम को सफल बनाने में 28 स्वयंसेवको का अथक सहयोग प्राप्त हुआस कार्यक्रम शाम 5बजे से शुरू होकर मध्य रात्रि तक चलता रहा। रज्जाक भाई ने विश्वास व्यक्त किया है कि यह सेवा हर वर्ष निरंतर चलती रहेगी।

सम्पादकीय...

डॉक्टर अपनी लिखावट कैपिटल लेटर्स में करें

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने हाल ही में एक ऐसा आदेश दिया है, जो न केवल हरियाणा–पंजाब बल्कि देश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर गहरी छाप छोड़ेगा। अदालत ने स्पष्ट कहा कि डॉक्टरों को अब मरीजों की पर्ची साफ लिखनी होगी। बेहतर होगा कि डॉक्टर अपनी लिखावट कैपिटल लेटर्स में करें या फिर टाइप/डिजिटल रूप में पर्ची दें। यह फैसला सिर्फ लिखावट की औपचारिकता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सीधे मरीज की सुरक्षा और जीवन के अधिकार (अनुच्छेद 21) से जुड़ा हुआ है। भारत में अक्सर यह शिकायत सुनने को मिलती रही है कि डॉक्टरों की लिखावट इतनी उलझी होती है कि फार्मासिस्ट या मरीज को समझ ही नहीं आता कि कौन–सी दवा, कितनी मात्रा में और कितने समय तक लेनी है। ऐसे में गलत दवा या गलत खुराक से मरीज की हालत बिगड़ जाना आम बात है। कई बार तो यह लापरवाही मौत तक का कारण बन चुकी है। यह स्थिति केवल छोटे शहरों या ग्रामीण इलाकों तक सीमित नहीं है। बड़े–बड़े कॉर्पोरेट अस्पतालों में भी प्रिस्क्रिप्शन का यह संकट मौजूद है। लिहाजा हाईकोर्ट का हस्तक्षेप एक जीवन रक्षक पहल के रूप में देखा जाना चाहिए। यह विषय केवल चिकित्सकीय नहीं बल्कि सामाजिक भी है। ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में अक्सर मरीज कम पढ़े–लिखे होते हैं। जब वे डॉक्टर की पर्ची लेकर दवा की दुकान पर पहुंचते हैं तो उनकी समझ से बाहर होता है कि कौन–सी दवा कितनी बार लेनी है। कई बार दवा विक्रेता भी लिखावट को गलत समझ लेता है। इससे मरीज गलत समय पर दवा खा लेता है, डोज बिगड़ जाती है और बीमारी बढ़ जाती है। यह समस्या गर्भवती महिलाओं, बच्चों और बुजुर्ग मरीजों में और भी गंभीर हो जाती है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 हर नागरिक को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है। अदालत ने सही कहा कि मरीज को अपनी बीमारी और इलाज की जानकारी मिलना उसका मौलिक अधिकार है। यदि प्रिस्क्रिप्शन ही अस्पष्ट और अधूरी जानकारी वाला हो तो यह अधिकार स्वतः ही बाधित होता है। इस संदर्भ में यह आदेश केवल चिकित्सा पद्धति के तकनीकी सुधार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नागरिक अधिकारों के संरक्षण की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है। न्यायालय ने अपने आदेश में यह भी कहा कि जब तक देशभर में ई–प्रिस्क्रिप्शन (कंप्यूटर से बनी पर्ची) की व्यवस्था पूरी तरह लागू नहीं हो जाती, तब तक सभी डॉक्टर कैपिटल लेटर्स में लिखें। यह सुझाव व्यावहारिक भी है और भविष्य की दिशा भी तय करता है। डिजिटल हेल्थ रिकार्ड और ई–प्रिस्क्रिप्शन के कई लाभ हैं मरीज का पूरा मेडिकल इतिहास सुरक्षित रहता है, फार्मासिस्ट को गलतफहमी की गुंजाइश नहीं रहती, दवा कंपनियों और हेल्थ इंश्योरेंस तक पारदर्शिता सुनिश्चित होती है और मरीज चाहे गांव का हो या महानगर का, उसे स्पष्ट जानकारी मिलती है। हाईकोर्ट ने नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) को भी निर्देश दिया है कि मेडिकल कॉलेजों में छात्रों को साफ–सुथरी लिखावट और स्पष्ट प्रिस्क्रिप्शन की ट्रेनिंग दी जाए। यदि मेडिकल शिक्षा के शुरुआती दौर से ही छात्रों को साफ लिखने और स्पष्ट पर्चा देने की आदत डाल दी जाए, तो आने वाले वर्षो में यह समस्या स्वतः ही खत्म हो सकती है। यह सुधार मेडिकल एथिक्स का हिस्सा बनना चाहिए। अदालत ने राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को भी नीति बनाने का निर्देश दिया है। इस नीति के तहत छोटे क्लिनिक और ग्रामीण डॉक्टरों को कंप्यूटर आधारित प्रिस्क्रिप्शन सिस्टम के लिए आर्थिक सहायता दी जा सकती है। जिला स्तर पर सिविल सर्जन की निगरानी में जागरूकता बैठकों का आयोजन किया जाए और स्वास्थ्य विभाग समय–समय पर निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करे कि डॉक्टर पर्चे पढ़ने योग्य लिख रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय अनुभव बताते हैं कि प्रिस्क्रिप्शन की स्पष्टता स्वास्थ्य सेवाओं में क्रांतिकारी सुधार लाती है। पश्चिमी देशों में डॉक्टरों द्वारा हाथ से लिखे पर्चे अब लगभग अतीत की बात हो चुके हैं। अमेरिका, यूरोप और जापान में ज्यादातर अस्पतालों और क्लिनिकों में ई–प्रिस्क्रिप्शन ही मानक बन चुका है। भारत में भी 'डिजिटल इंडिया मिशन्य और 'आयुष्मान भारत डिजिटल हेल्थ मिशन्य के तहत इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकॉर्ड को बढ़ावा दिया जा रहा है। हाईकोर्ट का आदेश इन पहल को और गति देगा। हालांकि चुनौतियां कम नहीं हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली और इंटरनेट की कमी से डिजिटल व्यवस्था लागू करना कठिन होगा। छोटे क्लिनिकों के लिए कंप्यूटर, प्रिंटर और सॉफ्टवेयर की लागत बड़ी बाधा है। डॉक्टरों पर पहले से ही प्रशासनिक बोझ है, ऐसे में अतिरिक्त प्रशिक्षण और औपचारिकताएं असुविधा पैदा कर सकती हैं। यह भी सही है कि मरीजों की भाषा और समझ अलग–अलग होती है। अतः केवल अंग्रेजी या कैपिटल लेटर्स काफी नहीं होंगे, बल्कि स्थानीय भाषा में भी स्पष्टता जरूरी है। डॉक्टरों की लिखावट अब केवल मज़ाक या व्यंग्य का विषय नहीं रह गई, बल्कि यह सीधे–सीधे जीवन और मृत्यु का प्रश्न है।

79 वर्ष बाद सुखदाई और संतोष जनक निर्णय

भारत को आजाद हुए ७६ वर्ष हो गये।अभी हमने ७६ वीं स्वतंत्रता दिवस मनाई है।तब से लेकर जितने भी संविधान संशोधन हुए सब जनता के ऊपर और जनता के लिए बने,वो भी सीधी साधी जनता के लिए।जितने भी कड़क नियम बने,सब मजबूरों और लाचारों के लिए बने।बाकी तो लोग कानून को अपनी रखैल बनाकर चले आ रहे हैं।अका बकासुर जैसे लोग कानून की धज्जियां ऐसे उखाड़ते आये हैं जैसे मूली। अपराधियों को बचाने के लिए हमारे कर्णधार नेतागण आधीरात को अदालत खुलवा देते थे। हमारे जज साहब जो दिन में भी नहीं मुकदमा देख पाते थे,वो आधीरात डेढ़ पैर पे खड़े होकर मुकदमा देखते थे। हमारे नेतागण आतंकवादियों को बचाने के लिए हस्ताक्षर अभियान चलाते थे।तो बताइए अपराधी कानून को अपनी रखैल बनाकर क्यों न रखते। अपराधियों को बचाने के लिए हमारे नेतागण हड़ताल कर आमजन का जीना दुश्वार कर देते थे।अपराधियों ने तो हलकान करके ही रखा था।हमारे ही टैक्स से हमारे नेतागण हमारी ही दिनचर्या बिगाड़ के रख देते थे।न जीने देते थे न कुछ करने देते थे।अपने दंगल में आमजन का जीना हराम किये रहते थे।वो भी आमजन के ही टैक्स से।

वर्तमान समय में कुछ जनहित के काम शुरू हुए हैं। बहुत सी जनोपयोगी योजनाएं सरकार आमजन के लिए चला रही है।जिससे आमजन खुशहाल जीवन यापन कर रहा है।लेकिन हमारे नेतागण उसमें भी ग्रहण बने हुए हैं।बने इसलिए हैं कि संविधान के अनुच्छेदों के ए जानकार होते हैं।किस छेद में घुसने पर सही सलामत निकल आयेंगे।उसकी नेताओं को अच्छी खासी जानकारी है।इसलिए सूर्यग्रहण की तरह जनता पर ग्रहण बनकर टूट ही पड़ते हैं। क्योंकि संविधान उनको ग्रहण बनने का अधिकार देता है।उसी अधिकार पर वर्तमान सरकार ने कैंची चलाते हुए।बेलगाम भ्रष्टाचारी चोर नेताओं पर लगाम लगाने के लिए जो विधान लेकर आई है,वो सरकार की नीयत को पूर्णतया स्पष्ट करती है।यह साफ दिख रहा है कि सरकार देश की प्रगति में जो भी बाधक है,सबको एक एक करके इमानदारी पूर्वक हटा रही है।जिसका नमूना है यह विधेयक जो बेलगाम नेताओं पर नकेल कसेगा।जो हमारे अपराधी भ्रष्टाचारी नेतागण जेल में रहते हुए सरकार और अपना दफ्तर चलाते थे अब बंद हो जायेगा।इस विधेयक से अब कोई भी प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री मंत्री अपनी गिरफ्तारी के एक महीने बाद स्वतः ही पदमुक्त हो जायेंगे।ऐसा होने पर वो अपने खिलाफ चल रही किसी भी जॉच को प्रभावित नहीं कर पायेंगे।जिससे दूध का दूध और पानी का पानी साफ दिखेगा।अभी तक तो सब उसी में घाल मेल चल रहा था। हमारे अनुच्छेदों के छेद का सदुपयोग कर हमारे नेतागण जो अब तक बच लेते थे।शायद अब नहीं बच पायेंगे।बचपन से हम सुनते आ रहे थे,कानून सबके लिए समान है।मगर था नहीं।मगर इस बिल से अब समानता झलक रही है। वर्तमान सरकार विपक्ष को एसआईआर में उलझाकर देश को बहुत बड़े संकट से उबार लिया।वो एसआईआर पर दंगल करते रह गये।और इधर सरकार ने उनके ऊपर नकेल कस दिया।अब कोई भी मंत्री प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री देश व जनता को लूटते समय कम से कम सौ बार जरूर सोचेगा।क्योंकि वर्तमान सरकार ने अपराध कर निकलने वाले सभी छिद्रों को एक एक कर बंद करती जा रही है। विपक्षी डाल डाल चल रहे हैं।तो,सरकार पात पात पर चल रही है।विपक्ष प्रोपेगंडा खड़ा कर लोगों को भ्रमित कर रहा है।सरकार धीरे धीरे अपनी सत्यनिष्ठा को प्रदर्शित करते हुए हर उस छिद्र को बंद करती जा रही है,जिस छिद्र से हमारे अपराधी प्रवृत्ति के नेतागण देश को लूटकर बड़ी सफाई से निकल जाया करते थे।अब निकल पाना मुश्किल हो जायेगा। क्योंकि जब पद पर रहेंगे नहीं तो,जॉच प्रभावित नहीं कर पायेंगे।जब जॉच सही ढंग से होगी तो बच नहीं पायेंगे।जब अपराधी बच नहीं पायेंगे तभी तो हम प्रगति कर पायेंगे। इसलिए वर्तमान सरकार की जितनी प्रशंसा की जाय कम है।इस सरकार ने सत्ता सम्हालते ही अपना इरादा स्पष्ट कर दिया था।न खाऊँगा न खाने दूँगा। अपराधी जो भी होगा,उसकी जगह संसद में कम जेल में अधिक होगी। उसी इरादे का ये भी एक नमूना है।१३०कांसिट्यूशनल अमेंडमेंट बिल।जिससे अब अपराधी प्रवृत्ति के नेतागण अपने अपराध पर स्वतः है अंकुश लगायेंगे। सरकार को अधिक जहमत अब नहीं उठानी होगी।और न ही इनके रखरखाव पर विशेष खर्च करने की जरूरत ही पड़ेगी।ए जैसे ही पदमुक्त होंगे,वैसे ही ए आम हो जायेंगे।इनकी सभी सुविधा आटोमेटिकली बंद हो जायेगी।इन पर खर्च किया जाने वाला धन बचेगा।उसी धन से देश के विकास का कार्य होगा।२०४७ तक भारत एक विकसित राष्ट्र बनने का सपना पूर्ण होगा।जो पहले ए नेतागण अरबों डकार जाते थे और अरबों अपने ऊपर खर्च करवाते थे।अब नहीं हो पायेगा।अब न लूट पायेंगे न अपने ऊपर खर्च करवा पायेंगे।तो अरबों खरबों रुपए देश के काम आयेगा। देश प्रगति करेगा।तो जनता का भी जीवन खुशहाल बनेगा।

जिस तरह से यह सरकार काम कर रही है।उससे एक बात स्पष्ट दिखाई दे रही है कि सरकार की मंशा स्पष्ट है।देश को विकासशील की श्रेणी से निकाल कर विकसित बनाना।इसके लिए सरकार हर वो कार्य कर रही है जिससे देश का पैसा गलत जगह पर न खर्च होकर देश की उन्नति के लिए खर्च हो।उसी को लक्ष्य करके सरकार ने यह उपरोक्त बिल लाई है।इसके पहले की सरकारों ने सभी कार्य अपने और अपनों को बचाने के लिए किया।मगर यह सरकार सिर्फ और सिर्फ देश को बचाने बनाने और बढ़ाने के लिए सतत लगी हुई है।जिसका जीता जागता उदाहरण है १३०कांसिट्यूशनल अमेंडमेंट बिल।

—पं.जमदग्निपुरी

सम्राट इन्फार्मेशन
हिंदी पत्रिका

अखिल भारतीय
कवि सम्मेलन
2025

गांधी जयंती एवं हिंदी पत्रिका सम्राट इनफार्मेशन की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित

!!सम्राट परिवार की ओर से आप सादर आमंत्रित हैं,!!

सम्मेलन स्थल

मैसूर ऑडिटोरियम 393, भाऊजी रोड, माटुंगा, CR मुंबई 400019

• दिनांक : 2 अक्टूबर 2025 • समय शाम 6.30 से 10.00 बजे तक

आमंत्रित काव्य कलश

श्री. के.एस.मिश्र
(वरिष्ठ गीतकार, मुंबई)

श्री. कुंवर जावेद
(गीतकार-कोटा, राजस्थान)

श्री हाशिम फिरोजाबादी
(वीर रस कवि, फिरोजाबाद)

सुश्री माधुरी किरण
(श्रृंगार रस, कवियत्री, बालाघाट म.प्र.)

श्री. महेन्द्र मधुर
(गीतकार - इंदौर, म.प्र.)

श्री. कामता माखन
(हास्य कवि-रीवा, म.प्र.)

श्री. सुरेश मिश्र
हास्यकवि एवं मंच संचालक, मुंबई

भवदीय

राजेंद्र पांडेय

मुख्य संपादक, सम्राट इंफार्मेशन

16 या 17 किस तिथि को मनाई जाएगी विश्वकर्मा पूजा? जानें सही पूजन-विधि और इसका महत्व

सनातन धर्म में विश्वकर्मा पूजा का विशेष स्थान है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, विश्वकर्मा पूजा भगवान विश्वकर्मा के जन्म के उपलक्ष्य में की जाती है। भगवान विश्वकर्मा को इस ब्रह्मांड प्रथम शिल्पकार, वास्तुकार और इंजीनियर माना जाता है। इसलिए इनकी पूजा करना विशेष माना गया है। विश्मकर्मा पूजा के दिन शिल्पकर, कारीगर और इंजीनियर अपनी मशीनों और औजारों की पूजा करते हैं। माना जाता है कि जो लोग इस पूजा करते हैं उन्हें भगवान विश्वकर्मा से बरकत का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इस समय विश्वकर्मा पूजा को लेकर काफी कन्फ्यूजन बना हुआ है कि किस दिन विश्वकर्मा पूजा की जाएगी। आइए आपको इस लेख में बताते हैं किस दिन विश्वकर्मा की पूजा की जाएगी।

कब है विश्वकर्मा पूजा?

हिंदू पंचांग के अनुसार, आश्विन माह के कृष्ण की एकादशी तिथि 17 सितंबर को देर रात 12 बजकर 21 मिनट पर शुरु होगी और इसका समापन 17 सितंबर रात 11 बजकर 39 मिनट पर होगा। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार 17 सितंबर को विश्वकर्मा पूजा की जाएगी। इस दिन आप लोग विश्वकर्मा पूजा कर सकते हैं।

आखिर विश्वकर्मा पूजा का क्या महत्व है?

भगवान विश्वकर्मा को ब्रह्मांड का दिव्य वास्तुकार माना जाता है। भगवान विश्वकर्मा संसार के सभी यांत्रिक और स्थापत्य कार्यों के जनक है। इन्होंने स्वर्ग लोक, द्वारका नगरी और इंद्र के वज्र समेत कई दिव्य संरचनाओं का निर्माण किया है। इस त्योहार को शिल्पकार, कारीगर, इंजीनियर और मशीनों से जुड़ें कार्यस्थल वाले लोग मनाते हैं। विश्वकर्मा पूजा के दिन लोग अपनी मशीनों, यंत्र और औजारों व कारखानों की पूजा करते हैं।

विश्वकर्मा पूजा की विधि

– सबसे पहले आप पूजा से पहले सभी औजारों, मशीनों और कार्यस्थल को अच्छे से सफाई करें।

– सुबह जल्दी उठकर स्नान करें इसके बाद पूजा का संकल्प लें।

– इसके बाद एक वेदी पर भगवान विश्वकर्मा की मूर्ति स्थापित करें।

– पूजा में फूल, अक्षत, रोली, चंदन, हल्दी, दीपक, धूप, फल और मिठाई इन चीजों को जरुर शामिल करें।

– सबसे पहले आप प्रथम पूज्य श्रीगणेश की पूजा करें इसके बाद भगवान विश्वकर्मा को तिलक लगाएं और फूलों की माला को अर्पित करें।

– फिर आप सभी औजारों और मशीनों पर तिलक लगाकर उनकी पूजा करें।

– अब आप फूल और अक्षत चढ़ाएं। इसके बाद भगवान विश्वकर्मा के मंत्र विश्वकर्मणे नमः' का जाप करें।

– पूजा के अंतिम में भगवान विश्वकर्मा की आरती कर और उसके बाद प्रसाद चढ़ाएं।

– पूजा के बाद प्रसाद सब में वितरित करें और गरीबों का दान दें।

गायक ही नहीं लाखों दिलों की धड़कन थे भूपेन हजारिका, खुद लिखते थे गीत

बॉलीवुड के गायक भूपेन हजारिका का 08 सितंबर को जन्म हुआ था। वह असम के गीतकार, फिल्ममेकर, संगीतकार और गायक थे। भूपेन हजारिका असमिया भाषा के लेखक और असम संगीत के अच्छे जानकार थे। उनको संगीत विरासत में मिला था और उनकी मां भी एक गायिका थीं। उन्होंने महज 10 साल की उम्र में अपना पहला गाना लिखा था और उसको गाया था। वहीं 12 साल की उम्र में भूपेन हजारिका ने असमिया भाषा की फिल्म 'इंद्रमालती' में काम किया था। तो आइए जानते हैं उनकी बर्थ एनिवर्सरी के मौके पर भूपेन हजारिका के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

असमिया और हिंदी में गाए गाने

भूपेन हजारिका ने खुद को सिर्फ असम तक सीमित नहीं रखा था। बल्कि वह इससे बाहर निकले और हिंदी पट्टी में छा गए। उन्होंने हिंदी में 'दिल हूम हूम करे' गाना गाया था, गाने को दर्शकों का खूब प्यार मिला था। भूपेन हजारिका ने 'ओ गंगा तू बहती है क्यों' गाना गाया। इस गाने को जिस किसी ने भी सुना, उसके दिल पर हजारिका का जादू चला। उन्होंने असमिया भाषा के अलावा हिंदी, बंगला और कई दूसरी भाषाओं में भी गाना गाया था।

खुद लिखते थे गाने

बता दें कि भूपेन हजारिका कई प्रतिभाओं के धनी थे। वह कई बार अपने गाने खुद लिखते थे और उनको गाते थे। एक बार उन्होंने बताया था कि वह खुद गीत लिखते हैं और खुद ही धुन तैयार करते थे और खुद गाते थे। इसलिए अपने गीत की शैली के बारे में खुद कोई राय नहीं दे सकते हैं। उन्होंने बताया था कि उन्होंने कई नाटकों या फिल्मों के किरदारों को ध्यान में रखकर गीत लिखे थे।

पत्नी ने छोड़ा साथ

साल 1950 में भूपेन हजारिका ने कोलंबिया यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाली प्रियवंदा पटेल से शादी की थी। दोनों का एक बेटा तेज था। शादी के बाद भूपेन अपना करियर बनाने में लग गए। ऐसे में उनकी पत्नी प्रियवंदा उनको छोड़कर अमेरिका वापस लौट गईं। लेकिन भूपेन हजारिका ने अपने करियर पर ध्यान दिया और आगे बढ़ते रहे।

मृत्यु

वहीं सेहत बिगड़ने पर 30 जून 2011 को भूपेन हजारिका को एक हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। जिसके बाद 05 नवंबर 2011 को उनके कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया और भूपेन हजारिका का निधन हो गया।

कब से शुरु हो रही हैं शारदीय नवरात्रि, जानिए महाअष्टमी और महानवमी सही तिथि, भूलकर भी न करें ये गलतियां

भारत में हर एक त्योहार को धूमधाम से मनाया जाता है। नवरात्रि का पर्व पूरे देश में मनाई जाती है। शारदीय नवरात्रि कुछ ही दिनों में शुरु होने वाली है। शारदीय नवरात्रि में पूरे देश में मां दुर्गा के पंडाल, गरबा और डाडिया नाइट आयोजित की जाती है। वहीं, शारदीय नवरात्रि से रामलीला की शुरुआत भी हो जाती है। नवरात्र में मां दुर्गा के 9 स्वरुपों की पूजा–अर्चना की जाती है और भक्तजन मां दुर्गा के लिए उपवास रखते हैं। मां दुर्गा का व्रत रखने से भक्तों के दुख और संकट दूर हो जाते हैं और माता का आशीर्वाद बना रहता है। अब आपको बता दें कि कब से शारदीय नवरात्रि का पर्व शुरु हो रहा है, कब महाअष्टमी व महानवमी मनाई जाएगी।

शारदीय नवरात्रि की डेट और टाइम

हिंदू पंचांग के अनुसार, शारदीय नवरात्रि की शुरुआत आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि की शुरुआत 22 सितंबर को रात 01 बजकर 23 मिनट पर हो रही है और इसका समापन 23 सितंबर को रात 02 बजकर 55 मिनट पर होगा। इसलिए 22 सितंबर से शारदीय नवरात्रि की शुरुआत हो रही है। घटस्थापना आप इसी दिन कर सकते हैं।

दुर्गा अष्टमी 2025 डेट और शुभ मुहूर्त

दुर्गा अष्टमी की तिथि 30 सितंबर को पड़ रही है। जो लोग अष्टमी को कन्या पूजन करते हैं वह इस दिन कर सकते हैं।

– आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि की शुरुआत– 29 सितंबर को शाम 04 बजकर 31 मिनट से शुरु होगी और इसका समापन 30 सितंबर को शाम 06 बजकर 06 मिनट पर होगा।

महानवमी 2025 डेट और शुभ मुहूर्त

– इस बार महानवमी का पर्व 1 अक्टूबर को मनाया जाएगा। इस दिन कन्या पूजन किया जाता है। आश्विन शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि की शुरुआत– 30 सितंबर को शाम 6 बजकर 06 मिनट पर और इसका समापन 01 अक्टूबर को रात 7 बजकर 01 मिनट पर होगा।

शारदीय नवरात्रि में न करें ये गलतियां

– नवरात्रि में अष्टमी और नवमी के दिन घर और मंदिर की साफ–सफाई का ध्यान रखें।

– पूजा के समय काले रंग कपड़ें बिल्कुल न पहनें।

– किसी भी व्यक्ति से वाद–विवाद करने से बचें।

– किसी के बारें में गलत न सोचें।

– नवरात्रि में बड़े–बुजुर्ग और महिलाओं का अपमान न करें।

– शारदीय नवरात्रि में तामसिक भोजन का सेवन नहीं करना चाहिए।

अनंत नगर योजना के भूखंडों की लॉटरी शुरू, 56 को आवंटित

लखनऊ। एलडीए की अनंत नगर योजना के 332 भूखंडों के आवंटन को लॉटरी सोमवार को शुरू हो गई। यह दो दिन और चलेगी। पहले दिन 56 भूखंडों को आवंटन किया गया। लॉटरी गोमतीनगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के मर्करी सभागार में की जा रही है। एलडीए के उपसचिव माधवेश कुमार ने बताया कि सोमवार को पहले दिन 1400 आवेदकों के बीच 450 वर्गमीटर के 19 व 162 वर्गमीटर के 37 भूखंडों की लॉटरी निकाली गई। मंगलवार को 200 व 288 वर्गमीटर के 155 भूखंडों की लॉटरी निकाली जाएगी। बुधवार को 112.5 वर्गमीटर के 121 भूखंडों की लॉटरी होगी। पारदर्शी प्रक्रिया के तहत आवेदकों के हाथों से ही लॉटरी की पर्ची निकलवाई जा रही है। इसकी वीडियोग्राफी भी हो रही है।

जिन अनमोल क्षणों को निहारने के लिये लंबी साधना की

माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल जी शर्मा से श्री परशुराम ज्ञानपीठ उद्घाटन के शिलालेख का अनावरण करवाते राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राधेश्याम शर्मा गुरुजी। सहयोग हेतु उपस्थित इस्पेक की चेयरपर्सन डॉ हर्षा त्रिवेदी।

माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल जी शर्मा श्री परशुराम ज्ञानपीठ में प्रथम प्रवेश करते हुए। साथ हैं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राधेश्याम शर्मा गुरुजी व संचालन समिति अध्यक्ष श्री ओमेन्द्र भारद्वाज, पूर्व पुलिस महानिदेशक।

श्री परशुराम ज्ञानपीठ आगमन पर माननीय मुख्यमंत्री जी का स्वागत करते राष्ट्रीय संगठन महामंत्री डॉ सुनील शर्मा CA. – विप्र फाउंडेशन

एआई के 'गॉडफादरस्य ने दी चेतावनी, आम आदमी एआई की मदद से बना सकता है परमाणु बम

न्यूयॉर्क। एआई के गॉडफादर कहे जाने वाले जेफ्री हिंटन ने भी एआई के संभावित नुकसान के बारे में चेतावनी देते हुए आगाह किया है। जेफ्री हिंटन ने एआई डेवलपमेंट में तेजी लाने के बजाय इसके भविष्य को लेकर चिंता जाहिर की है। जेफ्री का मानना है कि एआई मानवता के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि ये टेक्नोलॉजी परमाणु बम बनाने में किसी भी व्यक्ति की मदद कर सकती है। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि जेफ्री हिंटन ने कहा, एआई की मदद से एक सामान्य व्यक्ति जल्द जैविक हथियार भी बना सकता और यह बहुत ही भयानक है।

दुनियां का एकमात्र

शुद्ध हिंदू देश

अमेरिका महाद्वीप के लोवा में है द्य
इसकी (मुद्रा) करंसी का नाम
घ्ट"राम" है और
उसकी कीमत
10 ै डॉलर के बराबर है।
भाषा – संस्कृत है.. !!
धर्म – सनातन है..

भारत के 120 करोड़
सनातन हिंदू
भाई बहनों को और माता
को यह पता ही नहीं होगा कि
विश्व में एक " हिंदू देश" भी स्थित है।
जो कि अमेरिकी महाद्वीप में है..
और इसको बसाने का काम
महर्षि महेश योगी जी ने किया था
आप भी जानिए
इस देश के बारे में
उसकी मुद्रा का नाम "राम" है
जो कि अमेरिका के10 डॉलर के बराबर है।।

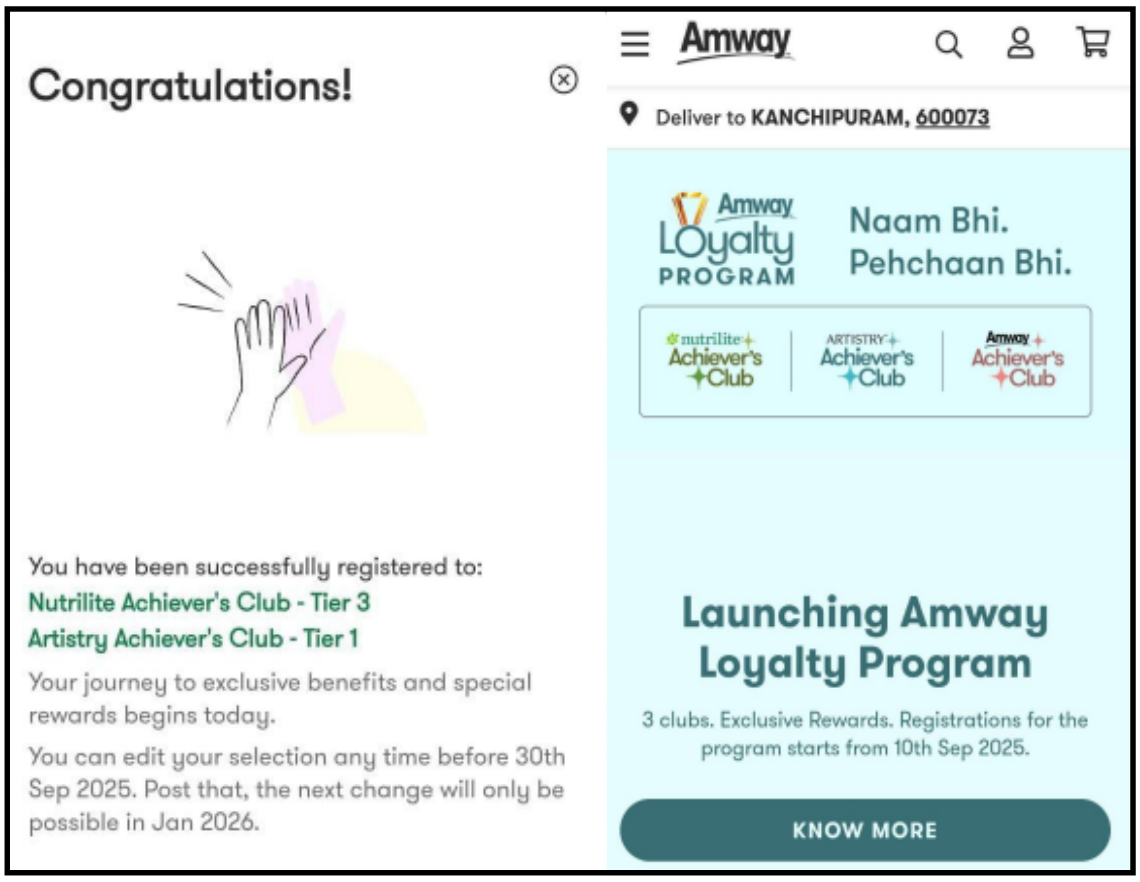

कल शाम काव्य सृजन परिवार द्वारा आयोजित कवि सम्मेलन में शामिल होने का अवसर मिला। आयोजकों द्वारा दिए गए मान सम्मान के लिए कोटि कोटि धन्यवाद।

कमीशन न देने पर बैंक द्वारा ऋण अस्वीकृत करने का आरोप

बैंक प्रबंधक और सहायक प्रबंधक ने किया दुर्व्यवहार

गोसाईगंज संवाददाता। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत बेरोजगार युवकों को ब्याजमुक्त ऋण देकर रोजगार से जोड़े जाने की राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना को बैंक के कर्मचारी ही पलीता लगा रहे हैं ताजा मामला सोमवार को बड़ौदा उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक की अमसिन शाखा का है जहां पर बेरा गांव निवासी सुनील यादव पुत्र रामभजन यादव का मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत तमाम औपचारिकताएं पूरी करने के बाद पिछले माह बैंक प्रबंधक द्वारा दो लाख तेईस हजार रुपए का ऋण स्वीकृत किया गया और सोमवार को खाता खुलवाने के लिए बैंक बुलाया गया आवेदक का आरोप है कि बैंक में पहुंचने के बाद सहायक शाखा प्रबंधक द्वारा पच्चीस हजार रूपए की मांग की गई जिसके बाद आवेदक और बैंक कर्मचारियों में कहासुनी होने लगी पीड़ित का आरोप है की बैंक कर्मचारी दिनेश सिंह द्वारा जान से मारने की धमकी , गाली–गलौज और फर्जी मुकदमे में फंसाने की बात कही गई पीड़ित का आरोप है कि यह पूरी घटना बैंक के सीसीटीवी कैमरे में क़ैद है और इस घटना के महज़ एक घंटे में ही स्वीकृत किए गए लोन को अधूरा कागजात बताकर अस्वीकृत कर दिया गया पीड़ित ने पूरे मामले की लिखित शिकायत बैंक के क्षेत्रिय प्रबंधक के साथ साथ मुख्यमंत्री के पोर्टल और जिलाधिकारी अयोध्या से की है।

निर्वाचन आयोग 'वोट चोरी के लिए भाजपा का बैक–ऑफिस' बन गया है: खरगे

नई दिल्ली(संवाद सूत्र)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) की भूमिका पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि यह (आयोग) ''वोट चोरी के लिए भाजपा का बैक–ऑफिस'' बन गया है। खरगे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''कालक्रम को समझें। मई 2023 के कर्नाटक चुनाव से पहले, कांग्रेस ने अलंद निर्वाचन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाने का खुलासा किया था। प्रपत्र संख्या–सात में फर्जीवाड़ा कर हजारों मतदाताओं के मताधिकार छीन लिये गये।'' उन्होंने कहा, ''फरवरी 2023 में एक मामला दर्ज किया गया। जांच में 5,994 जाली आवेदनों का खुलासा हुआ। यह मतदाता धोखाधड़ी के बड़े पैमाने पर प्रयास का एक स्पष्ट प्रमाण है। इसके बाद कांग्रेस सरकार ने दोषियों को पकड़ने के लिए सीआईडी घ्च्जांच का आदेश दिया।'' खरगे ने कहा, ''लेकिन यहां पेंच यह है कि जहां निर्वाचन आयोग ने पहले जालसाजी का पता लगाने के लिए आवश्यक दस्तावेजों का कुछ हिस्सा साझा किया था तो वहीं अब उसने महत्वपूर्ण जानकारी को छुपा लिया है और (आयोग) वोट चोरी के पीछे के लोगों को प्रभावी ढंग से बचा रहा है!'' उन्होंने पूछा, ''निर्वाचन आयोग ने अचानक महत्वपूर्ण सबूतों को क्यों रोक दिया है? यह किसे बचा रहा है? भाजपा के वोट चोरी विभाग को? क्या निर्वाचन आयोग भाजपा के दबाव में सीआईडी जांच को पटरी से उतार रहा है।'' लोकतांत्रिक अधिकारों के महत्व को दोहराते हुए, खरगे ने कहा, ''हर व्यक्ति के मतदान के अधिकार की रक्षा होनी चाहिए। भारतीय लोकतंत्र की रक्षा होनी चाहिए।

दुनिया के कुल 191 देशों में सबसे ईमानदार पहले 9 देश

न्यूज़ीलैंड
डेनमार्क
फिनलैंड
स्वीडन
सिंगापुर
नॉर्वे
नीदरलैंड
स्विट्ज़रलैंड
ऑस्ट्रेलिया
कनाडा

भारत 95वें स्थान पर है।

इन 1 से 9 देशों में न रामकथा होती है, न सत्यनारायण की कथा होती है।

न ताजिया जुलूस निकलते हैं, न रथयात्रा निकलती है।

गणेश चतुर्थी या गणेश विसर्जन के अवसर पर शोभायात्राएँ नहीं निकलतीं।

वहाँ हनुमान जी के मंदिर नहीं हैं, न कोई हनुमान चालीसा पढ़ता है।

न वहाँ दरगाहें हैं, न मस्जिदें जहाँ से माइक्रोफोन पर "अल्लाहु अकबर" की चीखें सुनाई देती हों। न चौक–चौराहों पर मंदिर हैं, न कोई भिखारी दिखाई देता है।

वहाँ मौलवी, बाबा, साधु–संत, मुनि, पंडित, पुरोहित होते ही नहीं।

उनका भोजन मांसाहारी है, पाप–पुण्य जैसे शब्द भी नहीं, फिर भी वे भारतीयों से हजार गुना ज़्यादा सुखी और ईमानदार हैं।

वहाँ धर्म के दिखावे नहीं हैं, न एकादशी, न उपवास, मृत्यु के बाद लंबे–लंबे कर्मकांड नहीं।

सिर्फ सुबह उठकर अपने–अपने काम–धंधे पर ईमानदारी से लग जाते हैं, और शाम को अपने घर जाकर प्रेम से खाते–पीते और सो जाते हैं। बेकार की दूसरों की निंदा नहीं करते।

जबकि भारत में:

असंख्य बाबाओं, मौलवियों, दरगाहों, मस्जिदों, मदरसों, देवी–देवताओं, चौक–चौराहों पर मंदिरों, बाबाओं–साधु–संतों, मुनियों, पंडितों–पुजारियों की भरमार है।

लोग लहसुन–प्याज, कंद–मूल नहीं खाते, लेकिन रिश्वत ज़रूर खाते हैं।

धनतेरस पर लक्ष्मी पूजन करते हैं और फिर उसी लक्ष्मी का अपमान नाचघर और डायरों में पैसे उड़ाकर करते हैं। संस्कृति में माँ–बाप को भगवान बताते हैं, बड़ी–बड़ी बातें करते हैं, लेकिन घर में माँ–बाप सिर्फ परिभाषा बनकर रह जाते हैं। संपत्ति के साथ माँ–बाप को भी बाँट देते हैं।

सभी धर्मगुरु लहसुन–प्याज–कंदमूल न खाने और शराब न पीने की प्रतिज्ञा दिलवाते हैं, लेकिन नेताओं को रिश्वत या हराम की कमाई न खाने की प्रतिज्ञा क्यों नहीं दिलवाते?

कोई भी सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक या आध्यात्मिक नेता या धर्मगुरु कभी भी इस देश से जाति, धर्म, संप्रदाय या ऊँच–नीच की कलंकित मान्यताओं को हमेशा के लिए मिटाने का प्रयास नहीं करता।

इसलिए संक्षेप में समझो कृ नेक काम और ईमानदार व्यवहार ही रोज़ी–रोटी है और वही धर्म है।

सभी देशवासियों से विनम्र अपील है कि धर्म, जाति–पाति, बिरादरी, मोहल्ले और अंधविश्वास से बाहर निकलकर ईमानदारी और सादगीपूर्ण जीवनशैली अपनाएँ और देश को ईमानदार व समृद्ध बनाएँ।

आर्य रमेश की कलम से...

ज्ञान सरोवर
(हिन्दी साप्ताहिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक पूजा प्रसाद पाण्डेय द्वारा नवभारत प्रेस लि. नवभारत भवन, प्लाट नं.13, सेक्टर–8, सानपाड़ा (पूर्व) नवी मुम्बई 400706 (एम.एस.) से मुद्रित तथा 11 गोकुलेश सोसायटी, पंडित मदन मोहन मालवीय रोड, मुलुण्ड (प.) मुम्बई 400080 (एम.एस.) से प्रकाशित।

सम्पादक

पूजा प्रसाद पाण्डेय

मो0– 9833567799

R.N.I.No.MAHHIN/2009/27377

Email: editor@gyansarovar.org
www.gyansarovar.org

समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारों/लेखों में लेखकों तथा संवाददाताओं के अपने विचार हैं। किसी भी लेख/समाचार की जिम्मेदारी प्रकाशक/सम्पादक की नहीं होगी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय होगा।